कक्षा – 6 विषय – संस्कृत

पंचदश: पाठ:
मातुलचन्द्र !!

मॉड्यूल -1/1

प्रस्तुतकर्ता – खीमाराम
परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2, तारापुर.

पाठ का परिचय

- प्रस्तुत पाठ एक बातचीत है। एक बालक विशाल आसमान में चंद्रमा की ओर आकर्षित होकर यह अनुरोध करता है कि चंदा मामा आएँ और उस पर अपना प्यार बरसाएँ।उसे गीत सुनाएँ।चंदा मामा कहाँ से आते हैं,कहाँ जाते हैं- यह बात भी उस बच्चे को आश्चर्यचकित करती है।

सरलार्थ(हिन्दी अनुवाद)
(क)

कुत आगच्छसि मातुलचंद्र?
कुत्र गमिष्यसि मातुलचंद्र ?
अतिशयविस्तृतनीलाकाश:
नैव दृश्यते क्वचिदवकाश:
कथं प्रयास्यसि मातुलचंद्र?
कुत्र आगच्छसि मातुलचंद्र?

सरलार्थ:-

हे चंदामामा ! तुम कहाँ से आते हो? कहाँ जाओगे? नीला आकाश बहुत दूर – दूर तक फ़ैला हुआ है।मुझे कहीं पर् भी रिक्त स्थान नहीं दिखाई दे रहा है।चंदा मामा तुम कैसे जाओगे? हे चंदा मामा आखिर तुम कहाँ से आते हो?

(ख)

- कथमायासि न भो! मम गेहम्
- मातुल! किरसि कथं न स्नेहम्
- कदाऽऽगमिष्यसि मातुलचंद्र?
- कुत आगच्छसि मातुलचंद्र?

सरलार्थ:-

- आप मेरे घर क्यों नहीं आते हो ? मामा! आप मुझ पर अपना स्नेह क्यों नहीं बरसाते हो? चंदा मामा! आप कब आओगे ?चंदा मामा ! आप कहाँ से आते हो चंदा मामा ?

(ग)

- धवलम् तव चंद्रिकावितानम्
- तारकखचितं सितपरिधानम्
- मह्यं दास्यसि मातुलचंद्र?
- कुत आगच्छसि मातुलचंद्र?

सरलार्थ:-

तुम्हारी फ़ैली हुई चाँदनी सफ़ेद है।तुम्हारा सफ़ेद वस्त्र / चादर तारों से भरा है।हे चंदा मामा, क्या तुम अपना यह वस्त्र मुझे दोगे ? हे चंदा मामा तुम कहाँ से आते हो?

(घ)

- त्वरितमेहि मां श्रावय गीतिम्
- प्रिय मातुल! वर्धय मे प्रीतिम्
- किन्नायास्यसि मातुलचंद्र?
- कुत आगच्छसि मातुलचंद्र?

सरलार्थ :-

- प्यारे चंदा मामा जल्दी आओ, मुझे गीत सुनाओ।मेरा प्यार् बढाओ, चंदा मामा क्या तुम नहीं आओगे? चंदा मामा तुम कहाँ से आते हो ?